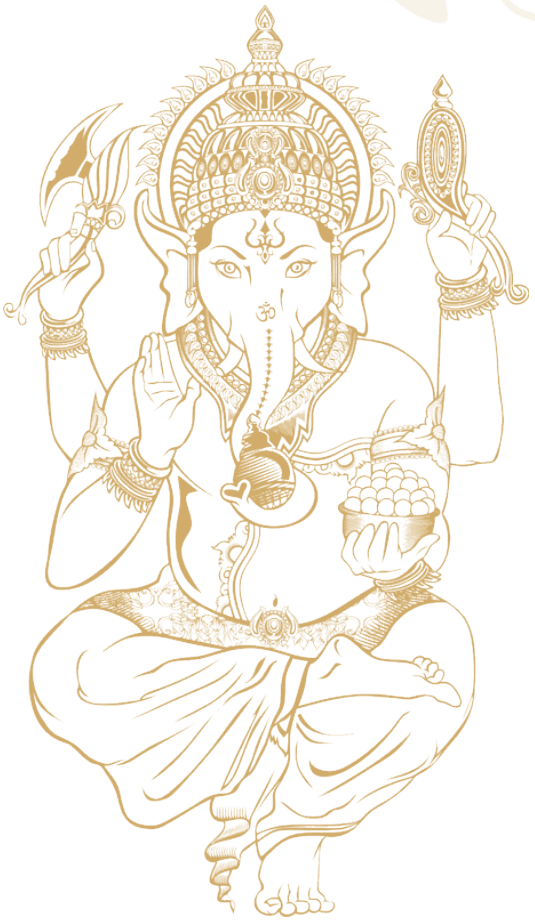

# Mr.

31 Mar 2026

05:11 PM

Fatehabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121871302

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **31/03/2026** |
| दिन | मंगलवार |
| **जन्म समय** | **17:11:00 घंटे** |
| इष्ट | 27:08:39 घटी |
| **स्थान** | **Fatehabad** |
| राज्य | Haryana |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 29:31:00 उत्तर |
| रेखांश | 75:27:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:28:12 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 16:42:48 घंटे |
| वेलान्तर | -00:04:12 घंटे |
| साम्पातिक काल | 05:18:15 घंटे |
| सूर्योदय | 06:19:32 घंटे |
| सूर्यास्त | 18:45:47 घंटे |
| दिनमान | 12:26:15 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | वसन्त |
| सूर्य के अंश | 16:32:39 मीन |
| लग्न के अंश | 26:38:55 सिंह |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | सिंह - सूर्य |
| **राशि-स्वामी** | **सिंह - सूर्य** |
| **नक्षत्र-चरण** | **उ०फाल्गुनी - 1** |
| नक्षत्र स्वामी | सूर्य |
| योग | वृद्धि |
| करण | गर |
| गण | मनुष्य |
| योनि | गौ |
| नाड़ी | आद्य |
| वर्ण | क्षत्रिय |
| वश्य | वनचर |
| वर्ग | श्वान |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | अग्नि |
| जन्म नामाक्षर | टे-टेकचंद |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | स्वर्ण - रजत |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मेष |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | सिंह | 26:38:55 | 315:17:56 | पू०फाल्गुनी | 4 | 11 | सूर्य | शुक्र | केतु | --- |
| सूर्य | | | मीन | 16:32:39 | 00:59:14 | उ०भाद्रपद | 4 | 26 | गुरु | शनि | गुरु | मित्र राशि |
| चंद्र | | | सिंह | 27:39:22 | 12:55:02 | उ०फाल्गुनी | 1 | 12 | सूर्य | सूर्य | चंद्र | मित्र राशि |
| मंगल | | अ | कुंभ | 28:29:28 | 00:46:57 | पू०भाद्रपद | 3 | 25 | शनि | गुरु | शुक्र | सम राशि |
| बुध | | | कुंभ | 19:02:44 | 00:49:01 | शतभिषा | 4 | 24 | शनि | राहु | चंद्र | सम राशि |
| गुरु | | | मिथु | 21:31:21 | 00:03:49 | पुनर्वसु | 1 | 7 | बुध | गुरु | गुरु | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | मेष | 06:47:03 | 01:13:53 | अश्विनी | 3 | 1 | मंगल | केतु | राहु | सम राशि |
| शनि | | अ | मीन | 11:15:30 | 00:07:28 | उ०भाद्रपद | 3 | 26 | गुरु | शनि | चंद्र | सम राशि |
| राहु | व | | कुंभ | 14:33:28 | 00:01:32 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | केतु | मित्र राशि |
| केतु | व | | सिंह | 14:33:28 | 00:01:32 | पू०फाल्गुनी | 1 | 11 | सूर्य | शुक्र | शुक्र | शत्रु राशि |
| हर्ष | | | वृष | 04:30:47 | 00:02:35 | कृतिका | 3 | 3 | शुक्र | सूर्य | शनि | --- |
| नेप | | | मीन | 07:57:34 | 00:02:15 | उ०भाद्रपद | 2 | 26 | गुरु | शनि | केतु | --- |
| प्लूटो | | | मक | 10:58:57 | 00:00:59 | श्रवण | 1 | 22 | शनि | चंद्र | चंद्र | --- |
| दशम भाव | | | वृष | 26:11:02 | -- | मृगशिरा | -- | 5 | शुक्र | मंगल | गुरु | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

## लग्न-चलित

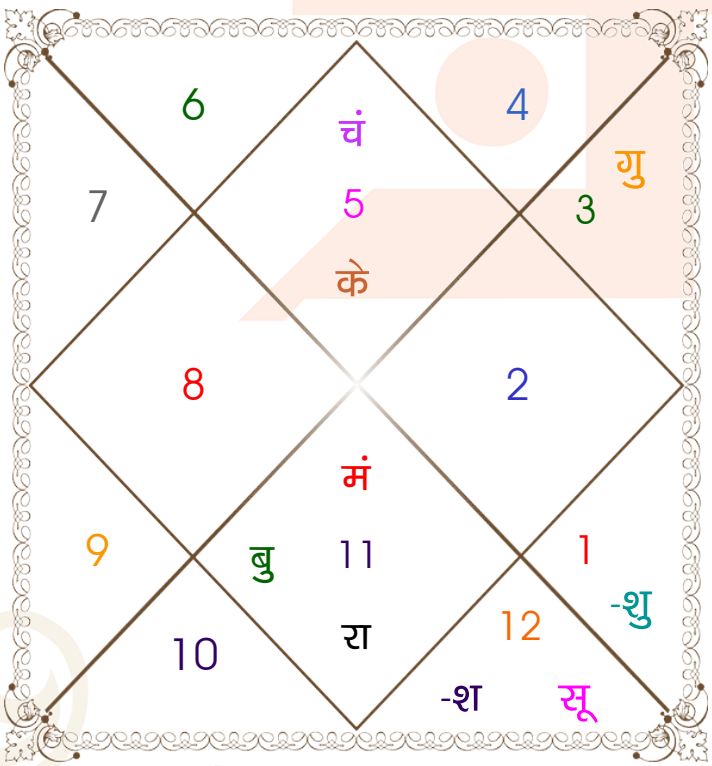


## चन्द्र कुंडली

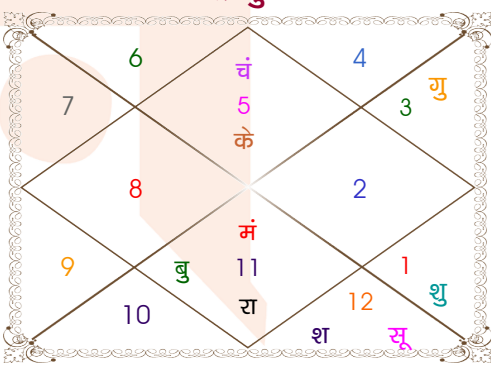


## नवमांश कुंडली

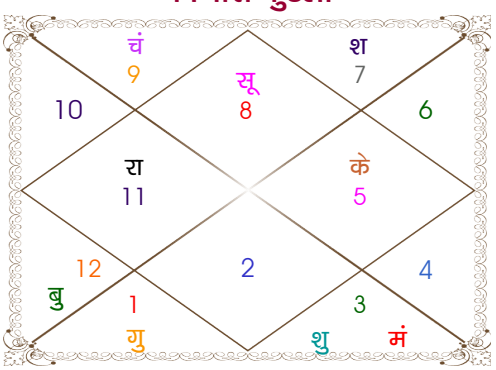

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 6 मास 19 दिन

| सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 31/03/2026 | | 20/10/2031 | | 20/10/2041 | | 19/10/2048 | | 20/10/2066 | |
| 20/10/2031 | | 20/10/2041 | | 19/10/2048 | | 20/10/2066 | | 20/10/2082 | |
| | 31/03/2026 | चंद्र | 19/08/2032 | मंगल | 18/03/2042 | राहु | 03/07/2051 | गुरु | 07/12/2068 |
| चंद्र | 08/08/2026 | मंगल | 21/03/2033 | राहु | 05/04/2043 | गुरु | 25/11/2053 | शनि | 20/06/2071 |
| मंगल | 14/12/2026 | राहु | 19/09/2034 | गुरु | 11/03/2044 | शनि | 01/10/2056 | बुध | 25/09/2073 |
| राहु | 07/11/2027 | गुरु | 19/01/2036 | शनि | 20/04/2045 | बुध | 20/04/2059 | केतु | 01/09/2074 |
| गुरु | 26/08/2028 | शनि | 20/08/2037 | बुध | 17/04/2046 | केतु | 08/05/2060 | शुक्र | 02/05/2077 |
| शनि | 08/08/2029 | बुध | 19/01/2039 | केतु | 13/09/2046 | शुक्र | 09/05/2063 | सूर्य | 18/02/2078 |
| बुध | 14/06/2030 | केतु | 20/08/2039 | शुक्र | 13/11/2047 | सूर्य | 01/04/2064 | चंद्र | 20/06/2079 |
| केतु | 20/10/2030 | शुक्र | 20/04/2041 | सूर्य | 20/03/2048 | चंद्र | 01/10/2065 | मंगल | 26/05/2080 |
| शुक्र | 20/10/2031 | सूर्य | 20/10/2041 | चंद्र | 19/10/2048 | मंगल | 20/10/2066 | राहु | 20/10/2082 |

| शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 20/10/2082 | | 21/10/2101 | | 21/10/2118 | | 21/10/2125 | | 21/10/2145 | |
| 21/10/2101 | | 21/10/2118 | | 21/10/2125 | | 21/10/2145 | | 00/00/0000 | |
| शनि | 23/10/2085 | बुध | 18/03/2104 | केतु | 19/03/2119 | शुक्र | 19/02/2129 | सूर्य | 07/02/2146 |
| बुध | 02/07/2088 | केतु | 15/03/2105 | शुक्र | 18/05/2120 | सूर्य | 19/02/2130 | चंद्र | 01/04/2146 |
| केतु | 11/08/2089 | शुक्र | 14/01/2108 | सूर्य | 23/09/2120 | चंद्र | 21/10/2131 | | 00/00/0000 |
| शुक्र | 10/10/2092 | सूर्य | 20/11/2108 | चंद्र | 24/04/2121 | मंगल | 20/12/2132 | | 00/00/0000 |
| सूर्य | 22/09/2093 | चंद्र | 21/04/2110 | मंगल | 20/09/2121 | राहु | 21/12/2135 | | 00/00/0000 |
| चंद्र | 24/04/2095 | मंगल | 18/04/2111 | राहु | 09/10/2122 | गुरु | 21/08/2138 | | 00/00/0000 |
| मंगल | 01/06/2096 | राहु | 05/11/2113 | गुरु | 15/09/2123 | शनि | 21/10/2141 | | 00/00/0000 |
| राहु | 08/04/2099 | गुरु | 11/02/2116 | शनि | 23/10/2124 | बुध | 20/08/2144 | | 00/00/0000 |
| गुरु | 21/10/2101 | शनि | 21/10/2118 | बुध | 21/10/2125 | केतु | 21/10/2145 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 6 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।